A-0164

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MAHL-602

M.A. HINDI (MAHL)

नाटक एवं कथेतर साहित्य (भाग एक)

3rd Semester Examination, Session December 2024

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. हिन्दी नाटक के उद्भव व विकास पर विस्तृत निबन्ध लिखिए।

2. रंगमंचीय दृष्टि से 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की समीक्षा कीजिए।

3. हिन्दी एकांकी के विकास एवं स्वरूप पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

4. निबन्ध का स्वरूप स्पष्ट करते हुए प्रमुख निबन्धकारों का वर्णन कीजिए।

5. यात्रा साहित्य विधा के विकास में राहुल सांकृत्यायन के योगदान की समीक्षा कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. 'अंधेर नगरी' नाटक के युगबोध पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

2. 'आधे–अधूरे' नाटक की नाट्य भाषा पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

3. 'पृथ्वीराज की आंखें' एकांकी की भाषा शैली का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

4. जयशंकर प्रसाद के नाटकों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

5. आलोचना विधा पर प्रकाश डालिए।

6. आत्मकथा व जीवनी में अंतर स्पष्ट कीजिए।

7. ललित निबन्ध की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

8. रिपोतार्ज विधा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

****